

## भारत जल सप्ताह 2024

### प्रलिस के ललल:

[जल शकतलडलतरलड](#), [8वलं डरत जल सडतलह 2024](#), [जल संसलधन डुरडंधन](#), [वशलव जल डुरडलड](#), [वशलव डैंक](#), [डशडलई वकलस डैंक](#), [जल संरकषण](#), [रलषटुरीड जल नलतल](#), [2012](#), [डुरधलनडंतरी कृषल सलडलई डुडनल](#), [जल शकतल डलडलडलन- कैंड ड रेन डलडलडलन](#), [अटल डुजल डुडनल](#), [जल डुवन डशलन \(JJM\)](#), [रलषटुरीड सवकुकु गंगल डशलन \(NMCG\)](#) ।

### डेनुस के ललल:

डरत डें जल संसलधन डुरडंधन के ललल डुनूतडललुं अर डडलड ।

[सुरत: डुआईडी](#)

## कुरकल डें कुरुं?

हलल ही डें, डरत के रलषटुरडतलने [जल शकतलडलतरलड](#) के ततुवलधलन डें नई वललुल डें [8वलं डरत जल सडतलह \(IWW\) 2024](#) कल उदुधलटन कडल ।

- डरत डुरतषुठलतल अंतरुरलषटुरीड कलरुडकुरड [जल संसलधन डुरडंधन डुर कुरकल अर सहडुग के ललल डक डुरडुख डडक के रूड डें सुथलडतल हु गडल है ।](#)

## डरत जल सडतलह 2024 कुरल है?

### उदुदेशुड:

- डस कलरुडकुरड कल उदुदेशुड [जल डुरडंधन कल डहततुतुवडुरण डुनूतडललुं कल सडलधलन कुरनल](#), नवलकलर कल डदुवल डेनल अवं सुथलडल जल कलरुडडुरणलडललुं कल डदुवल डेनल थल ।
  - वरुष 2012 डें अडनल शुरुअत के डलड से, डरत जल सडतलह वैशुवकल जल कूटनूतल के संदरुड डें डक डहततुतुवडुरण कलरुडकुरड डन गडल है । डरत कलरुडकुरड संवलड, नवलकलर अर जलन सलडल कुरने के ललल डक डुरडलन कुरतल है ।

### थुडड:

- डरत जल सडतलह 2024 कल थुडड "सडलवेषुल जल वकलस अवं डुरडंधन के ललल डलगुलदलरुल अर सहडुग" है । डस वषुड ने 21वीं सदी कल डदुतल जल डुनूतडललुं से नडलटने के ललल वडलनलन कषुटुरुं अर देशुं के सहडुगलतुडक डुरडलसुं कल डहततुतुवडुरण डुडकल डुर डुरकलश डललल गडल है ।
- डसडें [जल संरकषण](#), [कुरशल डुरडंधन अर जल संसलधनुं के नुडलडसंगत वतलरण](#) के ललल डकलकृत अवं सडगुर दृषुटकुण कल अलवशुडकतल डुर डल डलल गडल ।
- थुडड डें सततु जल वकलस सुनशुकतल कुरने तथल वैशुवकल जल सुरकषल कतललुं के सडलधलन डें [अंतरुरलषटुरीड सहडुग अर डहु-हतलधलरक सलडुदलरुल के डहततुतुव कल डु रेखलंकतल कडल गडल ।](#)

### डुरतडलगुल:

- [डेनडलरक](#), [इजुरलडल](#), [ऑसुटुरेलडल अर सगलडुर](#) जैसे देशुं ने अडने जल-संडंधु नवलकलरुं अर अनुडवुं कल डुरसुतुत कडल ।
  - डुन अर डलंगलदेश ने डरत डें अडुडकतल अंतरुरलषटुरीड जल सडतलह कलरुडकुरडुं डें [डलग नरुल लडल](#) ।
- [वशलव जल डुरडलड](#), [वशलव डैंक](#) अर [डशडलई वकलस डैंक](#) के डुरतनलधलडु डडसुथतल थे ।

# भारत जल सप्ताह



## बीते वर्षों की थीम

- 2012 जल, ऊर्जा और स्वास्थ्य सुरक्षा: समाधान का आह्वान करें
- 2013 कुशल जल प्रबंधन: चुनौतियाँ और अवसर सतत विकास के लिए
- 2015 सतत विकास के लिए जल प्रबंधन
- 2016 सभी के लिए जल: संयुक्त प्रयास
- 2017 समावेशी विकास के लिए जल और ऊर्जा
- 2019 जल सहयोग- 21वीं सदी की चुनौतियों से मुकाबला
- 2022 समान ढंग से सतत विकास के लिए जल सुरक्षा



### ■ अंतरराष्ट्रीय वॉश सम्मेलन:

#### ○ परचिय:

- जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य (WASH) सम्मेलन IWW 2024 का मुख्य आकर्षण था।
- इस सम्मेलन में जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य (WASH) में वैश्विक सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य स्वच्छता संबंधी चुनौतियों का समाधान करना और स्वच्छता मानकों को बढ़ावा देना था।

#### ○ उद्देश्य:

- सम्मेलन में महत्त्वपूर्ण स्वच्छता चुनौतियों से निपटने और स्वच्छता मानकों को बढ़ावा देने के लिये WASH में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

### ■ थीम:

- 'ग्रामीण जल आपूर्ति को बनाए रखना' थीम पर केंद्रित इस तीन दिवसीय सम्मेलन ने ज्ञान के आदान-प्रदान, नवाचारों को प्रदर्शित करने और वैश्विक वॉश चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने के लिये एक मंच प्रदान किया, जिसमें [सतत विकास लक्ष्य 6 \(SDG\)](#) को प्राप्त करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

### ■ परणाम:

- सम्मेलन के महत्त्वपूर्ण परणाम सामने आए, जिसमें जल जीवन मशिन और [स्वच्छ भारत मशिन](#) जैसी पहलों के माध्यम से ग्रामीण जल प्रबंधन में भारत की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- इसमें भविष्य की जल एवं स्वच्छता चुनौतियों से निपटने के लिये वैश्विक साझेदारी, समुदाय-संचालित समाधान और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचारों के महत्त्व पर बल दिया गया।

### ■ प्रमुख पहल:

- [कैंच द रेन अभियान \(2021\)](#) ने चल रहे जल संकट का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिये एक राष्ट्रव्यापी, जन-केंद्रित आंदोलन का समर्थन किया।
- [राष्ट्रीय सुरक्षा जल संवाद](#) ने 'जल जीवन मशिन (JJM)' के प्रभाव को प्रदर्शित किया, जिसमें जल कीटानुशोधन प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर लागू करने से जुड़ी सीख, सामुदायिक जुड़ाव और जल जीवन मशिन के प्रभाव आकलन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

## भारत में जल की वर्तमान स्थिति क्या है?

- जल की कमी: वर्ष 2024 तक, भारत में विश्व की 18% जनसंख्या नविस करती है, लेकिन उसके पास मीठे जल के केवल 4% संसाधन हैं ,

जसिसे यह वशिष सतर पर सबसे अधिक जल-तनावग्रस्त देशों में से एक बन गया है।

- **भूजल का ह्रास:** भूजल 80% पेयजल और दो-तहाई सचिाई आवश्यकताओं के लयि महत्त्वपूर्ण है।
  - हालाँकि, **अत्यधिक दोहन से**, वशिष रूप से पंजाब जैसे कृषि प्रधान राज्यों में, भूजल सतर में भारी गरिवट आ रही है।
- **जल प्रदूषण:** भारत का लगभग 70% जल दूषति है तथा देश की लगभग आधी नदयिों पीने या सचिाई के लयि असुरकषति है।
  - इससे वैश्वकि जल गुणवत्ता सूचकांक 2024 में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर आ गया।
- **ग्रामीण जल पहुँच:** लगभग 163 मलयिन भारतीयों के पास सुरकषति पेयजल तक पहुँच नहीं है और 600 मलयिन लोग अत्यधिक जल संकट का सामना कर रहे हैं। कई ग्रामीण कषेत्र अभी भी असुरकषति स्रोतों पर नरिभर हैं।
- **जलवायु भेद्यता:** जलवायु परिवर्तन ने भारत में अनावृष्टि एवं बाढ़ की समस्या को और बढ़ा दिया है, जसिसे जल की उपलब्धता पर भी असर पड़ रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत की जल आपूर्ति इसकी मांग का केवल आधा हसिसा ही पूरा कर पाएगी।

## भारत में जल संकट से संबंधति कारक क्या हैं?

- **तीव्र जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण:** बढ़ती जनसंख्या और तीव्र शहरीकरण के कारण जल की मांग बढ़ गई है, जसिसे मौजूदा जल संसाधनों और बुनयिादी ढाँचे पर भारी दबाव पड़ रहा है।
- **भूजल भंडार में कमी:** वशिष रूप से कृषि प्रयोजनों के लयि भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण पंजाब, हरयिाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल की कमी की दर चतिाजनक हो गई है।
- **अकुशल कृषि पद्धतयिाँ:** कृषि, जो भारत के लगभग 80% ताजे या मीठे जल का उपयोग करती है, अत्यधिक जल-प्रधान फसलों और अकुशल सचिाई तकनीकों पर नरिभर है, जसिके कारण जल का असंवहनीय उपयोग होता है।
- **जल नकियों का प्रदूषण:** औद्योगकि अपशषिट, अनुपचारति सीवेज और कृषि अपवाह ने नदयिों, झीलों तथा भूजल को गंभीर रूप से प्रदूषति कर दिया है, जसिसे सुरकषति एवं पीने योग्य जल की उपलब्धता और कम हो गई है।
- **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन के कारण अनयिमति वर्षा प्रारूप, **अनावृष्टि** की बढ़ती आवृत्ति तथा बदलते मानसून चक्र ने जल उपलब्धता को बाधति कर दिया है, जसिसे सूखाग्रस्त और अर्ध-शुष्क कषेत्रों में संकट बढ़ गया है।
- **असमान वतिरण और पहुँच:** जल उपलब्धता में कषेत्रीय असंतुलन के कारण, कुछ कषेत्रों में संसाधनों की भारी कमी है, जबकि अन्य में संसाधनों की प्रचुरता है, जसिके परिणामस्वरूप असमान पहुँच हुई है, वशिष रूप से ग्रामीण और हाशयि पर स्थति समुदायों में।
- **पुराना बुनयिादी ढाँचा और खराब जल प्रबंधन:** आधुनकि जल प्रबंधन प्रणालयिों की कमी तथा जल भंडारण, वतिरण व उपचार के लयि पुराना एवं अपर्याप्त बुनयिादी ढाँचे के कारण अकुशलता और बर्बादी हुई है।
- **मानसून पर अत्यधिक नरिभरता:** जल पुनःपूर्ति के लयि भारत की मानसूनी वर्षा पर अत्यधिक नरिभरता, देश को मानसून परिवर्तनशीलता के प्रती संवेदनशील बनाती है, जसिका प्रभाव कृषि उत्पादन और जल उपलब्धता दोनों पर पड़ता है।
- **कमज़ोर शासन और नीति कार्यान्वयन:** असंगत एवं खंडति जल नीतयिों, खराब शासन और वनियिमों के कमज़ोर प्रवर्तन ने प्रभावी जल प्रबंधन तथा संरक्षण प्रयासों में बाधा उत्पन्न की है।

## भारत में जल प्रबंधन से संबंधति सरकारी पहल क्या हैं?

- [राष्ट्रीय जल नीति, 2012](#)
- [प्रधानमंत्री कृषि सचिाई योजना](#)
- [जल शक्ति अभियान- वर्षा जल संचयन अभियान](#)
- [अटल भूजल योजना](#)
- [जल जीवन मशिन \(JJM\)](#)
- [राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन \(NMCG\)](#)

## आगे की राह

- **एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन (IWRM):** वभिन्न कषेत्रों और कषेत्रों में जल संसाधनों के प्रबंधन के लयि एक समग्र एवं समन्वति ढाँचा आवश्यक है। इसमें सतही और भूजल का कुशल उपयोग सुनिश्चति करने के साथ-साथ जल नकियों की पारस्थितिकि अखंडता को बनाए रखना शामिल होगा।
- **जल-कुशल कृषि पद्धतयिों को बढ़ावा देना:** जल-कुशल फसलों की ओर रुख करने, ड्रपि और स्प्रकिलर सचिाई जैसी सूक्ष्म सचिाई प्रणालयिों को बढ़ावा देने तथा सतत् कृषि पद्धतयिों को अपनाने हेतु प्रोत्साहति करने से कृषि में जल की खपत कम होगी।
- **भूजल वनियिमन और पुनर्भरण तंत्र को मज़बूत बनाना:** भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लयि नयामक ढाँचे को मज़बूत करना, साथ ही भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन और वाटरशेड प्रबंधन के लयि समुदाय के नेतृत्व वाली पहल को बढ़ाना, भूजल की कमी को रोकने के लयि महत्त्वपूर्ण है।
- **जल नकियों का पुनरोद्धार:** तालाबों, झीलों और आर्द्रभूमि जैसे पारंपरिक जल नकियों को बहाल करने और उनका कायाकल्प करने से जल प्रतधारण, बाढ़ नयितरण एवं भूजल पुनर्भरण में सहायता मलिंगी। नदयिों और जलभृतों के प्रदूषण को रोकने के लयि कड़े उपाय करके इसे पूरक बनाया जाना चाहयि।
- **जलवायु-लचीला बुनयिादी ढाँचा और योजना:** जलवायु-लचीला जल बुनयिादी ढाँचा विकसति करना जो **अनावृष्टि** और **बाढ़** जैसी चरम मौसम की घटनाओं का सामना कर सके, साथ ही शहरी और ग्रामीण विकास में जल संसाधन नयिोजन को शामिल करना, बदलती जलवायु परिस्थितयिों में जल

चुनौतियों का प्रबंधन करने की भारत की क्षमता को मज़बूत करेगा ।

- **प्रभावी नीतिकार्यान्वयन और संस्थागत सुदृढीकरण:** संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय, समय पर नीतितगत हस्तक्षेप एवं मज़बूत नियामक ढाँचे के माध्यम से राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर शासन को मज़बूत करना आवश्यक है ।
- **अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना:** कई जल नकियों की सीमापारीय प्रकृतिको देखते हुए, भारत कोसाझा जल संसाधनों पर क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिये ।

??????:

**प्रश्न:** जल संसाधन प्रबंधन में वैश्विक सहयोग के लिये एक मंच के रूप में अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह के महत्त्व पर चर्चा कीजिये । ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन जल संबंधी चुनौतियों के समाधान में किस प्रकार प्रभावी हो सकते हैं?

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

**प्रश्न.** जल तनाव (Water Stress) क्या है? भारत में क्षेत्रीय स्तर पर यह कैसे और क्यों भन्न है? (2019)

**प्रश्न.** रक्तिकरण परदृश्य में वविकी जल उपयोग के लिये जल भंडारण और सचिई प्रणाली में सुधार के उपायों को सुझाइये । (2020)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/india-water-week-2024>

